इस्पात, खान और ईंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : जुलाई, १९५७ के आखिर तक कुल ३९,९५१ फुट खुदाई की गई और ७० मिलियन टन कोयले के पाये जाने की दाद साबित की गई थी ।

अभी यह नहीं बताया जा सकता कि यह खोज कितने समय में पूरी हो जायेगी । कोयले के क्षेत्र की हदबन्दी करने तक यह काम जारी रखना पड़ेगा ।

f[THE MINISTER OF STEEL, MINES AND FUEL (SARDAR S\VARAN SINGH): Till the end of July, 1957, the total footage drilled was 39,951 feet and a reserve of 70 million tons of coal had been proved. The exact duration of this exploratory work cannot be given at present. This work will have to be carried out till the coalfield boundaries are demarcated.]

पुलीवेन्द्रा के एसबेस्टस का पूर्वेक्षण

१४५९. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पुलीवेन्द्रा के एसबेस्टस के पूर्वेक्षण-कार्य में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

t [PROSPECTING OF PULIVENDRA ASBESTOS

1459. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state the progress which has so far been made in the prospecting of Pulivendra Asbestos?]

खान और तेल मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : पुलीवेन्द्रा के अदह पदार्थ (Asbestos) व्यक्तिगत पट्टे पर दिये हुये हैं । इन अदह पदार्थ के भू-भंडारों के पूर्वेक्षण के लिये सरकार का अभी कोई कार्यक्रम नहीं है । फिर भी भारतीय खनि विभाग इस क्षेत्र से अदह पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने के सम्बन्ध में परामर्श दे कर कम्पनी की सहायता करेगा ।

t[THE MINISTER OF MINES AND OIL (SHRI K. D. MALAVIYA): Pulivendra asbestos are held under a private lease. The Government has at present no programme of prospecting the asbestos deposits. However, the Indian Bureau of Mines will assist the company by way of technical advice to increase the production of asbestos from this area.]

विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के मध्य सम्पर्क

१४६०. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री प्राकृतिक संसाधन तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय के १९५६–५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ४२ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विश्वविद्यालयों से निकट सम्पर्क बनाये रखने के लिये वैज्ञानिक तथा औद्योगिक गवेषणा परिषद् के शासी निकाय के निर्णय के अनुसार अभी तक क्या कार्यवाही की गई है और कितने विश्वविद्यालयों से सम्पर्क स्थापित किया गया है ; और

(ख) कितने विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को परिषद् की राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में कार्य करने की सुविधायें दी गई हैं ?

t [LIAISON BETWEEN NATIONAL LABORATORIES AND UNIVERSITIES

1460. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to refer to page 42 of the Report of the Ministry of Natural Resources and Scientific Research for 1956-57 and state:

(a) the action so far taken in pursuance of the decision of the Governing Body of the Council of Scientific

†[ ] English translation.

and Industrial Research to maintain close liaison with the Universities and with how many Universities liaison has been established; and

(b) the -students of how many-Universities have been given facilities to work in the National Laboratories of the Council?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री (मौलाना अबुल कलाम आजाद) : (क) विश्वविद्यालयों के साथ निम्न प्रकार से सम्पर्क स्थापित किया जाता है :—

(१) विश्वविद्यालय के कालिजों में राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के अधिकारियों के भाषण;

(२) विश्वविद्यालय के अध्यापकों तथा छात्रों को राष्ट्रीय प्रयोगशाला तथा पुस्तकालय के प्रयोग की सहूलियतें देना;

(३) राष्ट्रीय प्रयोगशाला में पोस्ट-ग्रेजुएट तथा डाक्टरेट की सनद के लिये किये गये गवेषणा कार्य को विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता दिलाना;

(४) प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय की समितियों म भाग लेने की अनुमति देना; तथा

(५) आपस में मेल जोल करना । राष्ट्रीय प्रयोगशाला और विश्वविद्यालय द्वारा एक दूसरे के आयोजित भाषणों तथा सभाओं में भाग लेना ।

(ख) १३ विश्वविद्यालय ।

NTHE MINISTER OF EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH (MAULANA ABUL KALAM AZAD) : (a) Liaison is maintained with Universities by: —

(i) arranging lectures of scientific officers of the National Laboratories in University Colleges;

(ii) offering laboratory and library facilities of National Laboratories to University Staff and students;

(ii) obtaining recognition of research work in the National Laboratories for Dost graduate and doctorate degrees by Universities;

(iv) permitting laboratory scientists to serve on University bodies; and

(v) promoting mutual visits and participation of the staff of National Laboratories and Universities in lectures and Symposia organised by each other.

(b) -13 Universities.]

वैज्ञानिक तथा प्रावैधिक कर्मचारि-वृन्द की राष्ट्रीय पूंजी

१४६१. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वैज्ञानिक तथा प्रावैधिक कर्मचारिवृन्द की राष्ट्रीय पंजी में किस किस योग्यता व श्रेणी के व्यक्तियों के नाम लिखे जाते हैं और इस समय प्रत्येक श्रेणी के कितने कितने व्यक्ति हैं ; और

(ख) क्या पुनर्विलोकन के फलस्वरूप पंजी में से कोई नाम काट दिये गये हैं ; और यदि हां, तो कितने और क्यों ?

t [NATIONAL REGISTER OF SCIENTIFIC AND TECHNICAL PERSONNEL

1461. SHRI NAWAB SLNGH CHAUHAN: Will the Minister of EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state:

(a) the qualifications and categories of persons whose names are maintained in the National Register of Scientific and Technical Personnel

†] English translation.